

४५८

देशी शब्दकोष

किमिघरवसन—रेशम का वस्त्र
 किम्मिय—जड़ता
 किम्मीर—विचित्र
 किर—संबंधार्थक अव्यय
 किरिकिरिआ—१ कर्णोपकर्णिका ।
 २ कुतूहल
 किरौ—वराह, सूअर
 किलिचिअ—छोटी लकड़ी
 किलिकिचिअ—रमण, क्रीड़ा
 किलिकिलित—बन्दरों का
 किलकिलाना
 किलिगिलिय—अनुकरणवाची शब्द
 किलिणी—१ प्रतली । २ गली
 किवाड—खलित
 कीव—पक्षि-विशेष
 कीस—प्रश्नसूचक अव्यय
 कुइमाण—म्लान, शुष्क
 कुई—बलाका
 कुंठ—१ कुब्ज । २ हस्त-विकल
 कुंठी—चिमटा
 कुंडभी—छोटी पताका
 कुंडिय—खरण्टित
 कुंठ—१ हस्तहीन । २ वामन
 कुंभी—कपड़े में बांधा हुआ स्वर्ण
 आदि द्रव्य
 कुंयरी—कुमारी
 कुक्क—कुत्ता
 कुक्कयय—आभरण-विशेष
 कुक्की—कुत्ती
 कुक्कु—अग्नि
 कुक्कुडिया—खाद्य-विशेष
 कुच्छिणी—बाड़ का छिद्र

कुट्ट—१ कोट, किला । २ नगर,
 शहर
 कुट्टण—कूटना
 कुट्टमिअ—महिष
 कुट्टवाल—कोतवाल, नगररक्षक
 कुट्टार—चर्मकार
 कुट्टोअर—कूटादर, शयनागार
 कुडंबीअ—सुरत, संभोग
 कुडुंग—लतागृह
 कुडुंगण—लतागृह—लतागृहमित्यर्थे
 देशी
 कुडुंबिय—मैथुन
 कुडुंबीय—रतिक्रीड़ा-विशेष
 कुडुव—बजाने का काष्ठ
 कुडु—कुतूहल
 कुडाल—हल के ऊपर का विस्तृत
 अंश
 कुढ—पीठ
 कुढिलग—न्यायालय में जिसकी
 जांच हो रही हो वह
 कुणहरिया—वनस्पति-विशेष
 कुत्ती—कुत्ती, कुतिया
 कुदहीर—१ बालक । २ चन्द्रमा
 कुप्पास—चोली
 कुबड—कूबड़ा, कुब्ज
 कुश्मालण—खुजलाना
 कुश्या—शरीर-प्रक्षालन
 कुरुलिअ—कौए की आवाज
 कुरुड—१ पवित्र । २ तिपुण
 कुललय—कुल्ला, गंडूष
 कुलुविकय—जला हुआ
 कुल्लुरिय—हलवाई
 कुवलय—बदर

परिशिष्ट १

४५६

कुवली—वृक्ष-विशेष
 कुविल—चोर
 कुहणी—१ रथ्या । २ कोहनी,
 कूर्पर
 कुहाडय—कुठार
 कुहिण—कूर्पर, कोहनी
 कुहिणी—मार्ग
 कूर—ओदन—ओदनायें देशी
 कूरपिउड—भोजन-विशेष
 कूवार—१ चिल्लाहट । २ पुकार
 केआ—क्रीडा
 केऊरपुत्त—गाय तथा भैंस का
 बच्चा
 केजू—१ रज्जु । २ असती ।
 ३ कन्द
 केवकार—पक्षियों का शब्द-विशेष
 केडु—१ व्यापकता २ । फेन ।
 ३ साला । ४ दुर्बल
 केणअ—पूजाद्रव्य
 केत्तडय—कितना
 केयरी—वृक्ष-विशेष
 केर—१ सेवा । २ आज्ञा
 केरअ—यह उसका है—इस अर्थ में
 प्रयुक्त अव्यय
 केवडय—कितना
 कोकाविअ—‘को’ शब्द से आहूत
 कोक्कंत—‘को’ ऐसा शब्द करने
 वाला
 कोक्कय—आमंत्रित करने वाला
 कोक्काविअ—आहूत, आकारित
 कोक्कय—आहूत
 कोच्छभास—काक, कोआ

कोच्छर—१ कुशल । २ कुत्सित
 कोज्जरिअ—पूरित
 कोट्ट—प्राकार-भित्ति, कोट
 कोट्टमिय—रतिक्रीड़ा-विशेष
 कोट्टवाल—नगररक्षक
 कोट्टा—प्राकार
 कोड—कौतुक
 कोडमिय—रतिक्रीड़ा-विशेष
 कोडि—मुर्गा
 कोडिय—पिशुन, चुगलखोर
 कोडुमिय—रतिक्रीड़ा-विशेष
 कोडुय—आश्चर्य
 कोडुवण—कौतुक करना—कौतुक-
 करणं इत्यर्थे देशी
 कोडुवणय—कौतुकोत्पादक
 कोडुवणिय—कौतुक करने वाला—
 कौतुककारक इत्यर्थे देशी
 कोडुय—कुतूहली
 कोडु—कुतूहली
 कोणाली—गोष्ठी
 कोणेदिया—गुञ्जा
 कोण्णाअ—म्लान
 कोत्थुअवत्थ—नीवी
 कोडूमिय—सुरत, संभोग
 कोदाल—कुदाल
 कोप्पर—१ वर्णसंकर । २ जाल
 कोमाणय—म्लान
 कोर—अनुपभुक्त वस्त्र
 कोव—ईषत्, थोड़ा
 कोसिअ—जुलाहा
 कोह—कोयली, थैला

४६०

देशी शब्दकोश

ख

खंचण—कर्षण, खीचना
खंडपयार—एक प्रकार की मिठाई
खंडसोल्ल—चीनी से बना खाद्य पदार्थ
खंडिआ—माप-विशेष, बीस मन का एक माप
खंडीधारा—अति उष्ण पानी की धारा
खंडुअ—हाथ का आभूषण-विशेष, बाजूबंद
खंदजो—स्थूल इन्धन की अग्नि
खंधलट्टि—हाथ, भुजा
खंपण—कलंक
खंपणय—वस्त्र
खक्खरग—सूखी रोटी
खगउड—पक्ष-पुट
खट्टावण—खट्टा तीमन
खट्टिक्क—कसाई
खट्टिग—कसाई
खडक्क—पर्वत, शिलाखंड
खडट्टोबिल—एक म्लेच्छ-जाति
खडफड—छटपटाहट
खडयासी—तृणभक्षक
खडरिअ—कलुषित
खडहडरव—बादलों का गर्जरव
खडहडिय—शिथिल किया हुआ
खडहार—तृणभार
खडिअ—दवात, स्याही का पात्र
खड्डु—खेल
खड्डिक्क—कसाई
खड्डोलय—खड्डा, गर्त

खत्ति—एक म्लेच्छ-जाति
खत्थ—संतप्त
खत्थय—भीत
खन्नवाइ—वह व्यक्ति जो यह मानता हो कि खान से बहुमूल्य रत्न आदि निकालने से वह धनाढ्य होगा
खप्पिअ—परिपूर्ण
खब्बण—दक्ष
खयाल—१ वंस-जाल, झाड़ी ।
 २ पर्वत-गर्त
खरंसूया—वनस्पति-विशेष
खरडिय—खरटित
खरुणा—विषम भूमि
खलभल—खलबलाहट, क्षोभ
खलभलिअ—क्षुब्ध
खलहल—क्षुब्ध
खलि—संबोधन-सूचक अव्यय
खलिण—लगाम
खलियारिय—कदर्थित
खली—चीनी
खल्लि—सिर की वह चमड़ी जिसमें बाल पैदा न हों
खल्लिहडअ—खल्वाट, गंजा
खल्ली—खाली
खवल—क्षोभ, खलबलाहट
खसर—कर्कश
खसिअ—१ आपूर्ण । २ खिसका हुआ
खसु—रोग-विशेष
खाण—एक म्लेच्छ-जाति
खारिक्क—फल-विशेष, छुहारा
खिल—१ ऊपर भूमि । २ अकृष्ट भूमि